41 लाख की शराब ले जाते ट्रक पकड़ा, एक गिरफ्तार

पशु आहार के कट्टों के नीचे अवैध शराब की 458 पेटियां मिली

निवाई, (निसं)। आबकारी विभाग व पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए शुक्रवार को राष्ट्रीय राजमार्ग पर अवैध शराब ले जाते हुए एक ट्रक को जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

निवाई आबकारी निरीक्षक रामकृष्ण मीणा ने बताया कि लोकसभा चुनाव को लेकर अवैध शराब के परिवहन की रोकथाम को लेकर आबकारी विभाग एवं आबकारी

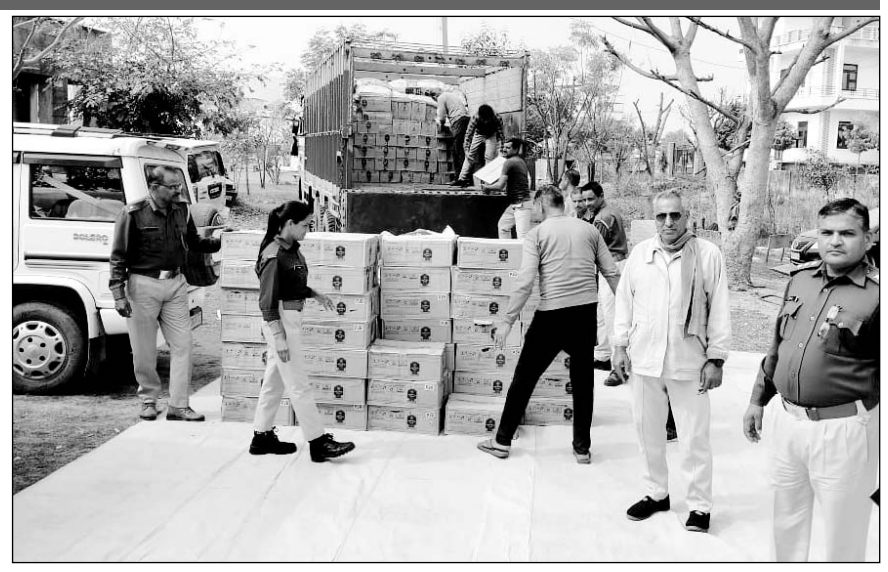

आबकारी विभाग व पुलिस ने अवैध शराब जब्त की।

- ट्रक लुधियाना, पंजाब से कोटा, रांची झारखंड की ओर जा रहा था

आयुक्त ओम कसेरा एवं अतिरिक्त आबकारी आयुक्त अमानुल्लाह खान के निर्देशन में जिला आबकारी अधिकारी के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। टीम में सुरेन्द्रसिंह जमादर, रामरतन मीणा, पृथ्वीसिंह, लक्ष्मण, बाबूलाल, मदनलाल, हरिद्वारी, हरचन्दा, नन्दलाल, लक्ष्मी मीणा व वाहन चालक सनराज मीणा को शामिल करके कार्यवाही की गई।

इस दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग पर 52 पर स्थित पौल्याडा चौकी देवली पर आबकारी निरीक्षक रामकृष्ण मीणा, प्रहराधिकारी रामसहाय नारेड़ा, देवली जाप्ता आबकरी निरीक्षक अशोक कुमार डिडेल एवं प्रहराधिकारी हेमराज जाटव ने कार्यवाही करते हुए एक ट्रक को रूकवाकर चेक किया तो ट्रक में पशु आहार के कट्टों के नीचे पंजाब निर्मित अंग्रेजी शराब की 458 पेटी भरी हुई मिली। जिसका बाजार मूल्य करीब 41 लाख आंका गया है। पुलिस ने अवैध शराब व ट्रक को जप्त करके आरोपी विजय साहानी को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि चालक से प्रांरभिक पूछताछ में सामने आया कि ट्रक लुधियाना, पंजाब से कोटा रांची झारखंड की ओर जा रहा था। उन्होंने बताया कि लोकसभा चुनावों को मद्देनजर रखते हुए अवैध शराब एवं बाहरी राज्यों की शराब के विरूद्ध लगातार कारवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि अवैध शराब परिवहन को लेकर आरोपी से गहनता से पूछताछ की जा रही है जिससे अन्य मामलों का भी खुलासा होने की संभावना है।

बीकानेर में चोरी की दस बाइक सहित दो लोग गिरफ्तार :- जिले में लगातार हो रही दोपहिया वाहन चोरी की वारदातों का खुलासा करते हुए श्री डूंगरगढ़ पुलिस ने एक बड़े दोपहिया वाहन चोर गिरोह को पकड़ा है। पकड़े गए आरोपियों से चोरी की गई 10 मोटर साइकिल बरामद की गई है। थानाधिकारी अशोक विश्नोई ने बताया कि इन दस बाइकों में से चार बाइक श्री डूंगरगढ़ क्षेत्र की पकड़ी गई हैं एवं अन्य में दो छापर थाना क्षेत्र की एवं अन्य चार बाइक आसपास के क्षेत्र से चोरी की गई थी। थानाधिकारी ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों में सरदारशहर के गांव रूपलीसर निवासी लालचंद पुत्र पुर्णाराम प्रजापत व सुनील पुत्र फरसाराम जाट निवासी मेहरासर शामिल हैं। आरोपियों को श्रीडूंगरगढ़ थाने में गिरफ्तार कर लिया गया है। इनके अलावा गैंग के दो लोग जेल में हैं, जिन्हें प्रोटेक्शन वांरट पर लिया जाएगा। इन बाइकों में से श्रीडूंगरगढ़ में चोरी हुई एक बुलेट बाइक बिग्गाबास में घर के आगे से, दूसरी बुलेट जिम के आगे से एवं एक पल्सर भी बरामद हो गई है। फिलहाल, पुलिस आरोपियों से पूछताछ में जुटी हुई है।

छात्रा ने आत्महत्या की

डूंगरपुर, (निसं)। सदर थाना क्षेत्र के सुरपुर सामीतेड फला में 10वीं कक्षा की एक छात्रा ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। उसका शव घर में साड़ी के फंदे से लटका मिला। घटना के बाद लोग इकट्ठे हो गए। इस दौरान छात्रा घर में अकेली थी। मां और भाभी बाजार और पिता व भाई गुजरात गए हुए थे। सदर थाना क्षेत्र के सुरपुर सामीतेड फला निवासी नेहा पुत्री नेपाल रोत गांव के ही स्कूल में 10वीं कक्षा में पढ़ाई करती है। गुरुवार को वह स्कूल भी नहीं गई थी। मां और भाभी गांव में गए थी और पिता और भाई गुजरात में मजदूरी करते हैं। नेहा घर पर अकेली थी। उसी समय उसने घर में साड़ी से फंदा लगा लिया। देर शाम मां घर आई तो बेटी को फंदे पर देखकर होश उड़ गए। चिल्लाने की आवाज सुनकर आस-पास के लोग दौड़कर आए, लेकिन नेहा की मौत हो गई थी। घटना की सूचना पर सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। शव को फंदे से नीचे उतरने के बाद डूंगरपुर हॉस्पीटल की मोर्चरी में रखवाया। वहीं, परिजनों ने बेटी की मौत को लेकर रिपोर्ट दर्ज करवाई है। पुलिस पोस्टमार्टम को लेकर कार्रवाई कर रही है।

टैंकर ने बाइक सवार को कुचला

उदयपुर, (कासं)। शहर के प्रतापनगर थाना क्षेत्र में एक एसिड से भरे टैंकर ने बाईक सवार युवक को चपेट में लेते हुए कुचल दिया। युवक को टैंकर ने करीब सौ फीट तक घसीटता रहा, जिससे इसके शव के चिथड़े-चिथड़े हो गए। युवक फाईनेंस कंपनी में काम करता था। पुलिस के अनुसार मनोज कुमार (25) पुत्र राजेन्द्र सिंह जाटव निवासी दूदरी कटूम्बर अलवर हाल आरके पुरम जो अशोक स्थित गोविन्द फाईनेंस प्राईवेट लिमिटेड में एमवीएम के पद पर काम करता था। यह युवक शुक्रवार सुबह देबारी से पिण्डवाडा रोड की ओर जा रहा था।

हत्या करके अस्पताल में शव को छोड़कर भागे बदमाश

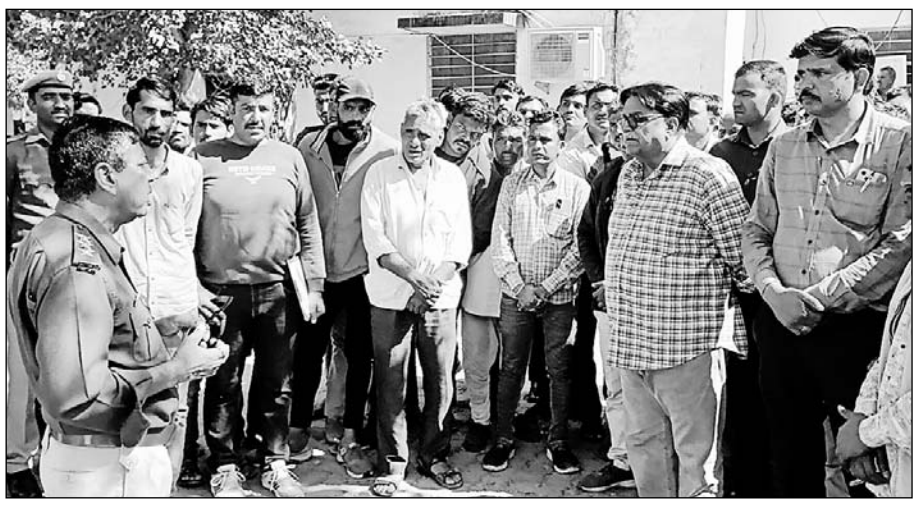

हॉस्पिटल में पूर्व विधायक रणधीर सिंह भीण्डर सहित परिजनों ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की।

भीण्डर, (निसं)। भीण्डर के गुलाबसिंह शक्तावत राजकीय सामान्य चिकित्सालय में शुक्रवार सुबह तीन अज्ञात व्यक्ति एक युवक को लेकर आए और छोड़ करके भाग गये। युवक की जांच की तो वो मृत पाया गया, जिसके बाद भीण्डर पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मृतक की पहचान कानोड के निकट बडा राजपुरा गांव निवासी मदनमोहन पाटीदार पिता कैलाश चंद (30) के रूप में की। आशंका जताई जा रही है कि मृतक के साथ किसी अन्य स्थान पर मारपीट की गई, जिससे उसकी मौत हो गई और बदमाश इलाज के लिए भीण्डर हॉस्पिटल छोड़ करके भाग गये। पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवा करके परिजनों को सौंपा, जिसका गांव में अंतिम संस्कार किया।

भीण्डर थानाधिकारी पूनाराम गुर्जर ने बताया कि भीण्डर हॉस्पिटल में शुक्रवार सुबह करीब नौ बजे एक अल्टो कार में तीन जने एक युवक को लेकर आए। चिकित्सा स्टॉफ को तीनों ने

- मृतक की पहचान बड़ा राजपुरा निवासी मदन मोहन के रूप में हुई

बताया कि युवक की डूंगला की तरफ दुर्घटना हो गई थी, डूंगला में इलाज नहीं होने से भीण्डर हॉस्पिटल लेकर आएं है। इसके बाद तीन जने इमरजेंसी के बाहर युवक को लैटाकर करके चले गये। युवक की चिकित्सकों ने जांच की तो वो मृत पाया गया। जिस पर तुरन्त भीण्डर पुलिस थाने में सूचना दी गई। भीण्डर पुलिस ने मौके पर पहुंच करके मृतक के शव का फोटो आसपास क्षेत्र में भेजा तो मृतक की पहचान कानोड के निकट बडा राजपुरा गांव निवासी मदनमोहन पिता कैलाशचंद पाटीदार के रूप में हुई। जिसके बाद परिवारजनों को सूचना दी गई, वहीं पुलिस ने भीण्डर हॉस्पिटल के सीसीटीवी फुटेज खंगाल करके शव को छोड़ने आए लोगों और गाड़ी की पहचान करके उनको खोजने में जुट गई है।

मृतक मदनमोहन पाटीदार कानोड रेलवे स्टेशन रोड पर एक किराणा स्टोर का संचालन करता है। कल दुकान पर कुछ समय में आने का बोल करके गुरूवार सुबह करीब 12 बजे अपनी बाइक लेकर निकला था, लेकिन उसके बाद से दूकान व घर पर नहीं लौटा था। आज सुबह जब परिवारजनों को पता चला तो तुरन्त भीण्डर हॉस्पिटल पहुंचे। ग्रामीणों ने बताया कि ईडरा गांव में एक शराब का ठेका भी है जो इसका साझेदार संभालता है। मृतक के एक 10 वर्षीय पुत्री व 6 वर्षीय पुत्र है। वहीं मृतक के पिता कैलाशचंद पाटीदार लूणदा स्कूल में सरकारी अध्यापक है। घटना की सूचना पर जनता सेना संरक्षक व पूर्व विधायक रणधीर सिंह भीण्डर हॉस्पिटल पहुंच करके मृतक के परिजनों व ग्रामीणों से मिलकर जानकारी ली। इसके बाद वल्लभनगर डिप्टी रविन्द्रप्रताप सिंह से घटना का जल्द से जल्द खुलासा करके आरोपियों की गिरफ्तारी करने की मांग रखी।

ईआरसीपी, नवनेरा लिंक परियोजना और ईआरसीपी के साथ एकीकृत संशोधित पीकेसी की तुलना

विवरण	नवनेरा–गलवा बीसलपुर–ईसरदा लिंक, (कांग्रेस सरकार द्वारा मंजूर)	पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) (मूल डीपीआर)	ईआरसीपी के साथ एकीकृत संशोधित पीकेसी परियोजना (भारत सरकार द्वारा इंटर लिंकिंग योजना में अनुमोदित)
पेयजल मांग	यह योजना केवल तीन जिलों अर्थात् जयपुर, अजमेर और टोंक की पेयजल आवश्यकताओं को पूरा करेगी।	यह योजना राजस्थान के तेरह जिलों अलवर, भरतपुर, धौलपुर, करौली, सवाई माधोपुर, दौसा, जयपुर, अजमेर, टोंक, बूंदी, कोटा, बारां और झालावाड़ के साथ मध्य प्रदेश के 13 जिलों में पेयजल ।	राजस्थान के 13 जिलों यथा अलवर, भरतपुर, धौलपुर, करौली, सवाई माधोपुर, दौसा, जयपुर, अजमेर, टोंक, बूंदी, कोटा, बारां और झालावाड़ के पीने का पानी उपलब्ध कराएगी।
सिंचाई क्षमता का सृजन एवं स्थरीकरण	कोई सिंचाई क्षमता एवं स्थरीकरण की परिकल्पना नहीं की गई है।	डीपीआर में राजस्थान के नवीन 2 लाख हेक्टेयर एवं 80 हजार हेक्टेयर स्थरीकरण का उल्लेख है	राजस्थान में कुल 2 लाख 80 हजार हेक्टेयर क्षेत्र एवं मध्यप्रदेश में 2 लाख 80 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई एवं स्थरीकरण
रास्ते में पड़ने वाले बांधों को जोड़ा जाना	शून्य	26 बांध	लगभग 90 बांधों को जोड़ा जाना है।
अंतर–राज्यीय मंजूरी	परियोजना के घटकों को वांछित 75 % से अधिक पानी निकालने के लिए डिजाइन किया गया है, इसलिए यह एक अंतर–राज्यीय मुद्दा है। मध्य प्रदेश ने इस प्रोजेक्ट को रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट में केस दायर किया है।	अंतर–राज्यीय मुद्दे मौजूद है, क्योंकि परियोजना के घटकों को 50 निर्भरता पर डिजाइन किया गया है। मध्य प्रदेश 50 फीसदी पानी की निर्भरता पर इस परियोजना पर सहमत नहीं है।	अतंरराज्यीय मुद्दे होने की संभावना नहीं है क्योंकि राजस्थान और मध्यप्रदेश दोनों राज्यों को लाभ होगा। परियोजना का निर्माण दोनों राज्यों की सर्वसहमति पर। दिनांक 28.01.2024 को दोनों राज्यों एवं केन्द्र सरकार के मध्य डीपीआर बनाने हेतु एमओयू पर हस्ताक्षर। न्यायिक विवाद की संभावना नहीं है।
भविष्य में अंतर्राज्यीय संघर्ष	पहले से ही संघर्ष और आगे भी संघर्ष की संभावना	मौजूदा रूप में भी और आगे भी संघर्ष की संभावना	क्योंकि राजस्थान और मध्य प्रदेश की सहमति होगी इसलिए विवाद की संभावना नहीं। दिनांक 28.01.2024 को दोनों राज्यों एवं केन्द्र सरकार के मध्य डीपीआर बनाने हेतु एमओयू पर हस्ताक्षर। दोनों राज्यों की सहमति के आधार पर परियोजना का निर्माण
परियोजना (राष्ट्रीय परियोजना) के रूप में स्वीकृति की संभावना	सीडब्यूसी के तकनीकी दिशानिर्देश के मुताबिक ILR/राष्ट्रीय परियोजना के रूप में अयोग्य	सीडब्यूसी के तकनीकी दिशानिर्देश के मुताबिक ILR/राष्ट्रीय परियोजना के रूप में अयोग्य	नदियों को जोड़ने की प्राथमिकता वाली परियोजना (आईएलआर) के रूप में पहले से ही चिन्हित, जिसे आईएलआर और एससीआईएलआर की टास्क फोर्स (केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री की अध्यक्षता वाली शीर्ष समिति) ने मंजूरी दे दी है। दिनांक 28.01.2024 को दोनों राज्यों एवं केन्द्र सरकार के मध्य डीपीआर बनाने हेतु एमओयू पर हस्ताक्षर।
वित्तीय स्वरूप	राजस्थान को लगभग 15000 करोड़ की पूरी परियोजना लागत वहन करनी होगी।	राजस्थान को 40,000 करोड़ रूपये का संपूर्ण परियोजना लागत वहन करनी होगी। इससे राज्य के खजाने पर भारी बोझ पड़ेगा क्योंकि पूंजीगत व्यय बहुत अधिक है।	परियोजना को भारत सरकार द्वारा इंटर लिंकिग ऑफ रिवर योजना के अन्तर्गत सम्मलित किया गया हैं। इस योजना के अन्तर्गत केन्द्र सरकार के द्वारा केन–बेतवा परियोजना के अनुरूप केन्द्रीय सहायता संभावित है।
संसाधनों का अनुकूलन	भविष्य में किसी तरह के विस्तार की गुंजाइश नहीं, अगर विस्तार किया जाता है तो	चूंकि विशेष रूप से राजस्थान के लिए परियोजना का निर्माण, इसलिए सह–बेसिन राज्यों	संयुक्त एकीकृत योजना के परिणामस्वरूप संरचना की लागत के साथ–साथ सह–बेसिन राज्यों के बीच इसके उपयोग को साझा किया
	मौजूदा व्यय की बर्बादी होगी।	से लागत व्यय में कोई मदद नहीं।	जाएगाा इसलिए यह किफायती होने के साथ–साथ बड़े क्षेत्र और आबादी को लाभ प्रदान करेगा।
समय	अंतर–राज्यीय मुद्दों और राज्य सरकार से धन की कमी के कारण परियोजना क कार्यान्वयन में देरी, इस प्रोजेक्ट को रोकने के लिए एमपी ने सुप्रीम कोर्ट में केस दायर किया है।	चूंकि आवश्यक पूंजी निवेश की मात्रा बहुत बड़ी है, इसलिए निश्चित रूप से राज्य सरकार से धन की कमी के साथ–साथ अंतर–राज्यीय मुद्दों के कारण परियोजना के कार्यान्वयन में देरी हो सकती है। एमपी ने अंतरराज्यीय मुद्दों का हवाला देते हुए इस प्रोजेक्ट पर आपत्ति जताई है।	चूंकि लागत का बड़ा हिस्सा केन्द्र सरकार द्वारा वहन किया जाएगा, इसलिए पूरा होने की समयावधि एकल परियोजना की तुलना में कम होगी। कोई भी अंतर–राज्यीय विवाद की आंशका नहीं, क्योंकि परियोजना की योजना संबंधित राज्यों के बीच सर्वसम्मति से बनाई गई है। दिनांक 28.01.2024 को दोनों राज्यों एवं केन्द्र सरकार के मध्य डीपीआर बनाने हेतु एमओयू पर हस्ताक्षर। विवाद नहीं होने के कारण परियोजना को कम समयावधि में पूर्ण किया जा सकेगा।

राजस्थान में एक नया प्रयोग कर रहे हैं, जिसकी शुरुआत जोधपुर से की जाएगी : दिलावर

जोधपुर, (कासं)। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर शुक्रवार को जोधपुर के दौरे पर रहे। वे अल सुबह जोधपुर सर्किट हाउस पहुंचे। उन्होंने यहां संभागीय स्तर के अधिकारियों की बैठक ली। इसके बाद स्वच्छता एवं सूर्य नमस्कार को लेकर बैठक में हिस्सा लिया। ये बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में हुई। इसके बाद दिलावर ने सर्किट हाउस में प्रेस कॉन्फ्रेंस की।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि हम राजस्थान में एक नया प्रयोग कर रहे हैं, जिसकी शुरुआत जोधपुर से की जाएगी। उन्होंने कहा कि अभी तक शिक्षा विभाग और पंचायती राज विभाग में जो भी निर्माण कार्य होते हैं, उनकी जानकारी अंग्रेजी में दी जाती है। हम कोशिश कर रहे हैं कि आगे से ये जानकारी हिंदी में उपलब्ध करवाई जाए, ताकि आम जनता को भी निर्माण कार्य की गुणवत्ता समझ में आ सके। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि अभी हमारा पहला प्रयास यह है कि जो भी घोषणाएं की गई हैं, पहले उनका पूरा करें। हम सिर्फ घोषणाएं पर घोषणाएं नहीं करना चाहते बल्कि उसे पूरा करना हमारा उद्देश्य है। स्कूलों में पढ़ाए जाने वाले इतिहास विषय के सवाल पर उन्होंने कहा कि कई जगह इसे तोड़मरोड़ कर लिखा गया है। कांग्रेस तो यह भी कहती है कि वीर सावरकर देशभक्त है ही नहीं, अगर इस तरह के अंश किताबों में होंगे

- शिक्षा मंत्री मदन दिलावर जोधपुर के दौरे पर रहे, संभागीय स्तर के अधिकारियों की बैठक ली

तो उन्हें हटाया जाएगा।

इससे पहले शिक्षामंत्री मदन दिलावर ने सर्वांगीण स्वच्छता को प्राथमिक जरूरत बताते हुए परिवेशीय स्वच्छता के प्रति हर स्तर पर सार्थक प्रयासों में गंभीरतापूर्वक समर्पित प्रयासों में जुटने का आव्हान किया। शिक्षा मंत्री ने शुक्रवार को जोधपुर जिला कलेक्ट्रेट सभागार में स्वच्छता पखवाड़े के अन्तर्गत गतिविधियों की समीक्षा बैठक में यह आव्हान किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप स्वच्छता पखवाड़े को सफल बनाने के लिए सामूहिक जिम्मेदारी एवं पूर्ण समन्वय के साथ जुटें और इसमें कहीं कोई कमी न रहने दें। उन्होंने कहा कि स्वच्छता का कार्य एक पखवाड़े या अभियान तक सीमित नहीं रहे बल्कि इसे 365 दिनों में नियमित रूप से जारी रखने की आवश्यकता है।

इसके लिए स्वच्छता को अपनी जीवनशैली का अहम हिस्सा बनाएं। उन्होंने कहा कि स्वच्छता को ग्राम पंचायत, उपखंड, ब्लॉक और वार्ड से लेकर हर स्तर पर अपनाने की जरूरत है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में स्वच्छता की दृष्टि से पंचायत कार्यालय, सार्वजनिक एवं विद्यालयों के शौचालयों की सफाई सुनिश्चित की जाए। इसके लिए नियमित निरीक्षण व समीक्षा पर पूरा-पूरा ध्यान दिया जाए। खासकर प्लास्टिक के उपयोग पर रोकथाम के लिए कारगर प्रयास करें। इसके लिए उन्होंने सभी अधिकारियों से आव्हान किया कि स्व अनुशासन से प्लास्टिक के उपयोग को रोकें और समाज में सम्पूर्ण स्वच्छता का आदर्श वातावरण स्थापित करें।

होटल के बंद कमरों से जेवर और नगदी चोरी

निजी होटल में सगाई कार्यक्रम के दौरान चोरी होने का मामला

जैसलमेर, (निसं)। जैसलमेर शहर स्थित एक निजी होटल में एक सगाई कार्यक्रम के दौरान चोरी हो गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद भी होटल कर्मियों द्वारा कोई एक्शन नहीं लेने पर शहर कोतवाली में चोरी की शिकायत दी गई है। शिकायत देने वाले संजीव मित्तल ने होटल के स्टाफ पर ही चोरी करने का आरोप लगाकर पुलिस को कार्रवाई करने की मांग की है।

शिकायत करने वाले संजीव मित्तल पुत्र शिव कुमार मितल निवासी जैसलमेर ने बताया कि 29 जनवरी को एक होटल हैरिटेज हम एक सगाई अटेण्ड कर रहे थे। उस होटल में हमारे पास दो रूम थे। जब हम सगाई का फंक्शन अटेण्ड करने गए और रात को लौटे तो दोनों कमरों में सामान बिखरा था। संजीव ने बताया कि कमरों की खिड़की दरवाजे सब बंद थे। लेकिन उसके बावजूद सामान बिखरा था और दोनों कमरे से करीब 26 हजार रुपए और एक पर्स से सोने के एक तोले के झुमके जिनकी कीमत करीब 90 हजार रुपए है, गायब थे जबकि चाबी केवल हमारे पास ही थी।

एक मास्टर चाबी होटल वालों के पास होती है। हमने होटल वालों को शिकायत की, लेकिन उन्होंने कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया। संजीव ने बताया कि जिस जगह उनके कमरे थे उस जगह सीसीटीवी भी नहीं है। इससे साफ जाहिर होता है कि इस चोरी में कहीं ना कहीं होटल स्टाफ की मिलीभगत है। संजीव ने पुलिस को भी मौके पर बुलाया और घटना बताई। तब सगाई फंक्शन के बाद कार्रवाई की बात पुलिस द्वारा की गई। अब संजीव ने थाना कोतवाली में इस चोरी की घटना की शिकायत दी है ताकि चोरों पर कार्रवाई हो सके।

पति-पत्नी ने आत्महत्या की

बीकानेर, (निसं)। बीछवाल थाना इलाके में किराए के मकान में पति-पत्नी ने पंखे के हुक पर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। कमरे में बिस्तर पर पांच साल की बच्ची भी मिली है। फिलहाल, बच्ची को बीछवाल थाना पुलिस ने अपने संरक्षण में ले लिया है।

शुक्रवार सुबह मकान में से बच्ची के रोने की लगातार आवाज आने पर पड़ोसियों को शक हुआ और उन्होंने अमित के रिश्तेदार को फोन कर बताया कि मकान में कोई हलचल नहीं हो रही है। बच्ची लगातार रो रही है। घर के दरवाजों को खोलने पर सभी पड़ोसियों के होश उड़ गए। घटना की सूचना मिलने के बाद जिला पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम बीछवाल थाना अधिकारी महेंद्र दत्त मौके पर पहुंचे। पुलिस ने पति-पत्नी के शव अपने कब्जे में लेकर पीबीएम अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक अमित कुमार, पूनम कुमारी पति-पत्नी थे। अमित कुमार झुंझुनू जिले के सूरतगढ़ तहसील के धुलानिया का रहने वाला है। वे यहां करणी नगर बी ब्लॉक में किराए के मकान पर रहता था। अमित कुमार बीकानेर में सोलर कंपनी में काम करता था।

हैंगिंग डिवाइस नहीं पाए जाने पर हॉस्टल सीज

कोचिंग छात्र की आत्महत्या के प्रकरण में कार्रवाई की

कोटा, (निसं)। कोचिंग छात्र की आत्महत्या के प्रकरण में तलवंडी क्षेत्र के एक छात्रावास को अंतरिम रूप से सीज कर दिया गया है। जिला कलेक्टर डॉ. रविंद्र गोस्वामी ने बताया कि उक्त छात्रावास में निर्धारित गाइडलाइन की पालना नहीं पाए जाने पर यह कार्रवाई की गई है।

उन्होंने बताया कि गत दिनों एक छात्र द्वारा आत्महत्या के प्रकरण में जांच करने पर निर्धारित गाईडलाईन के अनुरूप कमरे में हैंगिंग डिवाइस का नहीं होना पाया गया। इस मामले में अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट की अदालत में मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू की गई। जांच रिपोर्ट के आधार पर अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट ने धारा 133 सीआरपीसी के अंतर्गत कार्रवाई करते हुए तलवंडी स्थित कंचन रेजिडेंसी को सीज किया गया। अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट बृजमोहन बैरवा ने बताया कि 31 जनवरी को पारित आदेश की पालना सुनिश्चित करने के लिए हिसुब सोनी निवासी तलवंडी कंचन रेजीडेंसी एवं हॉस्टल संचालक तथा रघुनंदन शर्मा निवासी मथुरालाल हलवाई के पास बाजार नंबर 2 रामगंजमंडी थाना रामगंजमंडी ग्रामीण हाल वार्डन कम केयरटेकर कंचन रेजीडेंसी को न्यायालय द्वारा पारित आदेश की पालना में उल्लेखित शर्तों की अक्षरशः पालना करने के लिए पाबन्द किया गया है।

उक्त रेजीडेंसी में 32 कमरे हैं जिनमें से 10 कमरों में छात्र निवासरत हैं तथा 22 कमरें खाली करवाए जा चुके हैं। शेष 10 कमरों में रह रहे 10 छात्रों को 5 फरवरी तक अन्यत्र रेजीडेंसी में शिफ्ट करने के लिए रेजीडेंसी के संचालक व वार्डन ने जरिए प्रार्थना पत्र अवगत कराया गया है। रेजीडेंसी के संचालक एवं वार्डन द्वारा पारित आदेश की पूर्णतया पालना सुनिश्चित करने के लिए लिखित में पाबन्द किया जा चुका है।

उद्योग डवलपमेंट सरकार की जिम्मेदारी : राज्यवर्धन सिंह

केबिनेट मंत्री राज्यवर्धन सिंह हस्तशिल्प मेले में आयोजित संगोष्ठि में शामिल होने जोधपुर आए

जोधपुर, (कासं)। उद्योग एवं केबिनेट मंत्री राज्यवर्धन सिंह शुक्रवार को जोधपुर हस्तशिल्प मेले में सहकार से समृद्धि एवं उद्योग से विकास संगोष्ठि में शामिल होने के लिए जोधपुर आए। पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि लघु उद्योग डवलपमेंट की जिम्मेदारी हमारी सरकार की है, चाहे वह सोलर एनर्जी हो या चाहे रिवेनेबल एनर्जी हो। एनर्जी में कोई कमी नहीं रहेगी। इंडस्ट्रीज तक हम गैस पाइप लाइन को पहुंचाएंगे। यहीं हमारी प्राथमिकता रहेगी। हमारी सीआईआई के साथ भी बैंठकें हुई है। सरकार हर तरह से उद्योगों को सुविधा देगी ताकि उद्योग बढ़े और साथ-साथ स्वस्थ वातावरण बनें। सभी व्यवसायों का आगे बढने का मौका मिले।

राज्यवर्धन सिंह ने कहा कि युवाओं के लिए मुख्यमंत्री ने बड़े लक्ष्य रखे हैं। प्रदेश में जल्द ही बड़ी घोषणा की जाएगी। बड़ी योजना बन रही है। हमारे लक्ष्य बड़े हैं हम साधन भी जुटाएंगे। राजस्थान में ऐसा माहौल बनेगा जिसमें पीने का पानी, बिजली, सड़क के साथ हमें वर्ष 2047 तक विकसित भारत का निर्माण करना है। इसमें राजस्थान एक अग्रणी राज्य रहेगा।

राज्यवर्धन सिंह ने कहा कि हैण्डीक्राफ्ट उद्योग में आने वाली समस्याओं जिनमें बिजली कटौती को लेकर भी हल निकाला जाएगा। इसके लिए उर्जा की कमी नहीं आएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कार्यकाल के कल पेश किए गए अंतरिम बजट पर राज्यवर्धन सिंह ने कहा कि भारत बहुत तेजी से बढ़ती हुई जीडीपी की तरफ बढ़ रहा है। दुनिया में ग्रोथ रेट सबसे ज्यादा है। इस ग्रोथ रेट का बना के रखना है। यह केंद्र सरकार का लक्ष्य है। प्रधानमंत्री ने कमजोरी को हमारी ताकत बना दिया है। भारत दुनिया में एक्सपोर्ट के मामले में अग्रणीय हो गया है। बजट उसी को ध्यान में रखकर बनाया गया है। पिछली सरकार ने केवल अपने स्वार्थ के लिए काम करा।

आखिर के छह माह में हर तरह के रूल्स रेगुलेशन को ताक पर रखा दिया था। उन कामों के लिए समीक्षा कमेटी बनाई गई है। उन्होंने ने कहा कि पूरे साल में पिछली सरकार ने जो बेसिक रूल्स के निर्णय लिए है उस पर भी वापिस सोच विचार होगा। खेल में हुए घोटाले पर कहा कि इसकी वित्त मंत्रालय द्वारा जांच कराई जाएगी। शहरी एवं ग्रामीण ओलंपिक जारी रहेंगे या नहीं इस सवाल पर उन्होंने कहा कि 200 करोड़ खर्च हुए क्या दिया। यह खेल मंत्रालय के बजट का चार गुणा है। इससे ना तो किसी को नौकरी का सर्टिफिकेट मिला और ना ही कोई स्टेडियम बन पाया। खेल मंत्रालय जो भी करेगा अच्छी घोषणाएं करेगा जिसका दूरगामी परिणाम आएगा। लक्ष्य निर्धारित कर योजनाएं बनती है।